

# लघु कृषक प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री पिता  
ग्राम- तहसील- जिला-  
यहाँ स्थाई रूप से निवास करता है। प्रार्थी राज्य सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार  
लघु कृषक की श्रेणी में आता है। इसके खाते में कुल बीघा/एकड़ कृषि योग्य भूमि है  
और इसका खसरा नम्बर है। यह भूमि पटवार सर्किल में स्थित है।  
यह भूमि प्रार्थी के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।

दिनांक:

हस्ताक्षर  
पटवारी

हस्ताक्षर  
तहसीलदार (मोहर सहित.....)

# सीमान्त कृषक प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री पिता  
ग्राम- तहसील- जिला-  
यहाँ स्थाई रूप से निवास करता है। प्रार्थी राज्य सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार  
लघु कृषक की श्रेणी में आता है। इसके खाते में कुल बीघा/एकड़ कृषि योग्य भूमि है  
और इसका खसरा नम्बर है। यह भूमि पटवार सर्किल में स्थित है।  
यह भूमि प्रार्थी के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।

दिनांक:

हस्ताक्षर  
पटवारी

हस्ताक्षर  
तहसीलदार (मोहर सहित.....)

# भूमिहीन कृषक प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री पिता  
ग्राम- तहसील- जिला-  
यहाँ स्थाई रूप से निवास करता है।  
तथा प्रार्थी के नाम राजस्व रिकॉर्ड में कृषि योग्य भूमि दर्ज नहीं है। प्रार्थी द्वारा दिये गये  
शपथ पत्र के आधार पर प्रार्थी श्री पिता  
ग्राम तहसील जिला की खातेदारी भूमि में  
कृषि कार्य करता है।

हस्ताक्षर/नाम- मोबाईल नं-  
काश्तकार/खातेदार  
(जिसकी भूमि में प्रार्थी कृषि कार्य करता है। )

दिनांक:

हस्ताक्षर  
पटवारी

हस्ताक्षर  
तहसीलदार (मोहर सहित.....)

नोट:-

1. प्रार्थी जिस खातेदार के कृषि कार्य करता है उसकी जमाबंदी की कॉपी एवं उसका आधार कार्ड / राशन कार्ड की कॉपी संलग्न करें।
2. प्रार्थी स्वयं का शपथ पत्र भी संलग्न करें।

# भूमिहीन प्रमाण—पत्र

दिनांक .....

मैं प्रमाणित करता हूं कि श्री .....  
पुत्र श्री ..... जाति ..... ग्राम.....  
पटवार सर्कल ..... तहसील.....जिला .....  
.....राज्य राजस्थान का निवासी है

तथा राजस्व रिकार्ड में इनके नाम कोई कृषि भूमि नहीं है। प्रार्थी के नाम की कोई भूमि नहीं है। अतः यह भूमिहीन कृषक श्रमिक है।

हस्ताक्षर